

10.02.20

वकुलनाथ उप०।

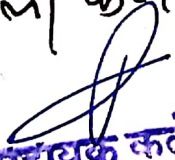
वाडी उदाशम स्वयं उप०।

वकील वाडी ने प्रो.प. पेश किया कि प्राधी को नया प्रो.प/वाद पेश करने के अधिकारों को सुरक्षित रखते हुए उपरोक्त वाद प्रो.प. जस्टिस विद्गे फिलाल फरमाया जावे।

जिस पर वकील प्रतिवदि की बहल सुनी गयी जिन्होंने कोई उजर एतराज नहीं जताया।

फाल्द स्वरूप वकील वाडी का प्रो.प. स्वीकार किया जाता है एवं नया प्रो.प/वाद पेश करने के अधिकारों को सुरक्षित रखते हुए वाद प्रो.प. जस्टिस विद्गे खारिज किया जाता है।

पत्रावली फिलाल शुमार होकर नभवा के कम हो।


सहायक कलेक्टर
पाली

उदाशम

P. C. B. S.
W.

